प्रकाशनार्थ

गोरखपुर, 21 सितम्बर। श्रीगोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी ने कहा कि युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की उन्चासवीं एवं राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अन्तर्गत कल शनिवार से वाल्मिकि रचित रामायण पर आधारित श्रीरामकथा की अमृत वर्षा प्रारम्भ होगी। वाराणसी के प्रसिद्ध सन्त एवं कथाव्या**स जगदगुरू अनन्तानन्द द्वाराचार्य स्वामी डॉ0 रामकमल दास वेदान्ती जी महाराज** द्वारा संगीतमयी श्रीराम कथा का श्रवणकर भक्त एवं श्रद्धालु कल से सात दिनों तक सत्संग का सुअवसर प्राप्त कर सकेंगे।

महायोगी गोरक्षनाथ द्वारा प्रवर्तित नाथपंथ की प्रसिद्ध श्री गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन दोनो पीठाधीश्वरों ने भारतीय संस्कृति के पर्याप्त हिन्दुत्व को अपना मिशन बनाया। हिन्दु समाज में छुआ–छुत को पाप माना। एकरस समाज रचना में अपना सम्पूर्ण जीवन लगाया। इस कार्य हेतु हिन्दू संस्कृति के सभी पंथो एवं उनके देवी–देवताओं को एक साथ उपासना की विधि श्री गोरक्षनाथ मन्दिर में सृजित की गयी। शिवावतारी गोरखनाथ की इस शैवपीठ ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को, शक्ति की अधिष्ठात्री देवी दुर्गा को, श्रीराम भक्त हनुमान को न केवल स्वीकार किया अपितु उनके मन्दिर श्री गोरखनाथ मन्दिर में अभिन्न हिस्सा बनाया। ब्रह्मलीन दोनो गोरक्षपीठाधीश्वरों की साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में श्री भागवत कथा अथवा श्रीराम कथा इसी वैचारिकी की उपज है। दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रीमद्भागवत कथा अथवा श्रीराम कथा का आयोजन की परम्परा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने प्रारम्भ की। उस यशस्वी परम्परा को वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाया है।

योगी कमलनाथ जी ने कहा कि साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अन्तर्गत प्रारम्भ श्रीराम कथा को समसामाजिक राष्ट्रीय–सामाजिक मुद्दो से जोड़कर कथाव्यास ब्रह्मलीन दोनो महाराज जी के विचारो एवं उनकी इच्छाओं को जन–जन तक पहुँचाएंगे। धर्म–संस्कृति की रक्षा हेतु राजधर्म का वह संदेश भी श्रीराम कथा में गूँजेगा, जो भारत की ऋषि परम्परा देती रहीं है। व्यक्ति को परिवार, समाज, राष्ट्र के दायित्ववोध को समझाते हुए श्रीराम कथा वाल्मिकि रामायण के विविध पात्रो के आदर्श भक्तो के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

श्रीराम कथा जहाँ आदर्श परिवार की परिकल्पना को साकार करेगी। वहीं 'जननी–जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' के मंत्र पर राष्ट्रधर्म की भी प्रतिष्ठा करेगी। योगी कमलनाथ जी ने बताया कि श्रीराम कथा का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज करेंगे। अखण्ड ज्योति की स्थापना, श्री वाल्मिकि रामायण की भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारम्भ श्रीराम कथा के शुभारम्भ अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा के महन्त सुरेशदास जी, बड़े भक्तमाल अयोध्या के महन्त अवधेशदास जी, महन्त राममिलन दास जी, महन्त रविन्द्र दास जी, महन्त प्रेमदास जी, महन्त पंचानन्द पुरी जी, महन्त मिथलेशनाथ जी, सहित आदि सन्त महात्मा उपस्थित रहेंगे। यजमानगण श्री ईश्वर मिश्र, श्री सीताराम जायसवाल, श्री ज्वाहरलाल कसौधन, श्री पुष्पदन्त जैन, श्री ओम प्रकाश जालान, श्री चन्द्र

प्रकाश जालान, श्री गंगा राय, श्री अरूण कुमार अग्रवाल, श्री अतुल सर्राफ, श्री विकास जालान, श्री संतोष कुमार अग्रवाल, श्री महेश पोद्दार, श्री अवधेश सिंह, श्री जितेन्द्र बहादुर चन्द, श्री चन्द्र बंसल, श्री बृजेश्ज्ञ यादव, श्री महेन्द्र पाल सिंह, श्री मारकण्डेय यादव, श्री गोरख सिंह, श्री ओम प्रकाश कर्मचन्दानी, श्री संजय गुप्ता, कृष्ण मोहन, श्रीमती उर्मिला सिंह, श्री प्रदीप जोशी, श्री अजय सिंह, श्री विनोद कुमार राना, श्री रेवती रमण दास अग्रवाल सपरिवार शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे और कथा का श्रवण करेंगे। गोरखपुर एवं आस–पास से आने वाले भक्त श्रद्धालुओं की दृष्टि से कथा मजुम में सभी तैयारियां पूर्ण की गयी है। बुजुर्गो एवं महिलाओं अलग बैठने, अशक्त भक्तों को कुर्सी पर बैठाने इत्यादि सभी महत्वपूर्ण सावधानियों को ध्यान में रखकर व्यवस्था की गई है। श्रीराम कथा के भव्य आयोजन की सभी तैयारी आज पूर्ण कर ली गई। दिग्विजयनाथ स्मृति साभागार भक्तों–श्रद्धालुओं के स्वागतार्थ तैयार है।

साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में सम्मेलन दिनांक 23.09.2018

साप्ताहिक श्रद्धाजलि समारोह के अन्तर्गत कल प्रातः 10.00 बजे से **'लोक कल्याण भारतीय संस्कृति की विशेषता'** विषय पर संगोष्ठी दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में सम्पन्न होगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज करेंगे, मुख्य अतिथि दिगम्बर अखाड़ा के महन्त सुरेश दास जी महाराज तथा मुख्य वक्ता भारत सरकार के मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री डॉ0 सत्यपाल सिंह जी होंगे। संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रान्त प्रचारक श्री मुकेश जी का भी व्याख्यान होगा।